>

Title: Need to sanction a corpus fund for the maintenance and development of the monument of Sardar Vallabhbhai Patel in Anand district of Gujarat.

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ला (वडोदरा): महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं। आज पूरे देश में भ्रष्टाचार के सामने आजादी की दूसरी लड़ाई शुरू हुई है। अण्णा हजारे जी के साथ सारे देशवासी एक हो गये हैं। ऐसी लड़ाई वर्ष 1947 के पहले जब लड़ी गयी थी तो सारे देश के सभी प्रान्तों के सभी क्रान्तिकारियों ने अपने जीवन की आहूति दी थी। तब ऐसे क्रान्तिकारी और ऐसे राज्य जिनका योगदान काफी बड़ा था, ऐसा ही एक राज्य गुजरात है। मैं वहां से आता हूं और मुझे इस बात का बहुत ही गर्व है।

महोदय, जब ऐसे क्रान्तिकारियों की बात की जाती है तो सबसे पहले साबरमती के सन्त राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का नाम जुबान पर आता है, लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल, पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा, वीर विठ्ठल भाई पटेल, मोरारजी भाई देसाई, कन्हैयालाल मुंशी, महादेव देसाई, झवेरचंद मेहाणी, सरदार सिंह राणा ऐसे सब लोग जो आजादी दिलाने के लिए लड़े, उनका नाम जुबान पर आता है। इन्हीं में से ऐसे दो भाईयों, सरदार बल्लभ भाई पटेल और वीर विठ्ठल भाई पटेल की बात करने के लिए मैं यहां खड़ा हुआ हूं। हम सभी जानते हैं कि ये ऐसे दो भाई थे, जिन्होंने अपनी वकालत छोड़कर देश को आजादी दिलाने के लिए काफी कुछ किया।...(व्यवधान) मैं वही बोल रहा हूं कि अगर सरदार वल्लभ भाई पटेल थे तो देश को आजादी मिली। मुझे गर्व है कि मंत्री श्री यहां उपस्थित हैं। वह दो मिनट मेरी बात सुन लें। मैं कोई ऐसा लफज यूज नहीं करूंगा, जिससे आपको नुकसान हो।

महोदय, वीर विठ्ठल भाई पटेल का जन्म 22 अक्टूबर 1873 को हुआ था और इनका स्वर्गवास भी 22 अक्टूबर 1933 को हुआ था। ये सशस्त्र क्रान्ति के हिमायती थे। उन्होंने जो कुछ भी देश के लिए किया, उनके भाई सरदार वल्लभ भाई पटेल, जिन्होंने अपनी जान की आहूति लगा दी, उनका जन्म 15 अक्टूबर 1875 को हुआ था और उनका स्वर्गवास 15 दिसम्बर 1950 को हुआ था। अहिंसक लड़ाई में सबसे पहले देश में कहीं आन्दोलन हुआ तो वह गुजरात में हुआ था, बारडोली सत्याग्रह हुआ था और उसके साथ-साथ खेड़ा सत्याग्रह हुआ था। जब स्वतंत्र भारत को एकत्रीकरण करने की बात आयी तो 550 रियासतों को एकत्र करके लौह पुरूष का नाम उन्होंने गौरवशाली रूप में आगे बढ़ाया। इन दोनों भाईयों वीर विठ्ठल भाई पटेल और सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मारक करमसद में बना हुआ है। इस स्मारक का एक हेतु है कि वह एक ऐसा नेशनल रिसोर्स सेंटर बने कि जहां सरदार वल्लभ भाई पटेल और वीर विठ्ठल भाई पटेल की सभी जानकारियां एकत्रित हों और देश-विदेश से सभी लोग वहां आयें। इसके लिए गुजरात सरकार ने वर्ष 2006 में केंद्र सरकार को दरख्वास्त दी थी कि एक कॉरपस फंड पांच करोड़ रूपये का दिया जाये। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से विनती करता हूं, अनुरोध करता हूं कि इस प्रकार के फंड का आबंटन किया जाये। धन्यवाद।